# विद्युत दर्पण

## पश्चिम क्षेत्रीय विद्युत समिति
### त्रैमासिक गृह पत्रिका

अंक - 35 पश्चिम क्षेत्रीय विद्युत समिति, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण, एफ-3, एमआईडीसी क्षेत्र, मरोल, अंधेरी (पूर्व), मुंबई -93 जनवरी - मार्च 2015

## सम्पादकीय

साथियों,

पश्चिम क्षेत्रीय विद्युत समिति परिवार को मेरी ओर से नव-वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ ! वर्ष 2014 समाप्त हुआ और नया वर्ष विद्युत अभियंताओं के लिए ढेर सारी नयी चुनौतियाँ लेकर आया । यदि सिर्फ मुंबई शहर को ही देखें तो आप जान जायेंगे कि विद्युत की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए हमें कितनी जटील समस्या का सामना करना पड़ रहा है । मुंबई शहर की अपनी ही एक विशिष्ट भौगोलिक संरचना है । मुंबई के तीन तरफ समुद्र होने के कारण अतिरिक्त पारेषण लाइनें डालने और नए विद्युत उप-केन्द्र संस्थापित करने के लिए सीमित जगह रह जाती है । वर्तमान लाइनों पर अत्याधिक भार है । ट्रॉम्बे में टाटा द्वारा अंतस्थापित विद्युत उत्पादन लगभग 1877 मेवा है और डहाणू में रिलायंस द्वारा 500 मेवा विद्युत उत्पादन है । मुंबई शहर की 3500 मेवा की मांग को पूर्ण करने के लिए यह विद्युत उत्पादन पर्याप्त नहीं है । मुंबई की स्थापत्य संरचना पूर्णत: विद्युत आधारित है और अस्पतालों, गगन चुंबी इमारतों एवं मुंबई की ''जीवन रेखा'' मानी जाने वाली लोकल ट्रेनों आदि के लिए भार नियमन संभव नहीं है । ऐसा नहीं कि सरकारी मशीनरी इन समस्याओं से परिचित नहीं है, किंतु इसके लिए आसान उपाय नज़र नहीं आ रहे हैं । उम्मीद करते हैं कि पर्यावरण अनुकूल उपाय मिल जाये और हम, मुंबईकर सुविधाजनक जीवन जी सकें !

शुभकामनाओं सहित ।

सु.द. टाकसांडे

सदस्य सचिव

## राजभाषा समाचार

- राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 109 वीं बैठक दिनांक 19 जनवरी 2015 को श्री सु.द.टाकसांडे, सदस्य सचिव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई । बैठक में राजभाषा नीति अनुपालन से संबंधित सभी मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया ।
- दिनांक 25.02.2015 को आयोजित हिन्दी कार्यशाला में 'आधार आधारित बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली' विषय में श्री एम.एम. धकाते, अधीक्षण अभियंता ने व्याख्यान दिया। कुल 7 अधिकारी एवं 14 कर्मचारियों ने इस कार्यशाला का लाभ लिया ।

## समाचार दर्पण

- श्रीमती शुभांगी कोल्हे की दिनांक 23.02.2015 को मुख्य लिपिक के पद पर पदोन्नति के परिणामस्वरूप उन्होंने दिनांक 02.03.2015 को पक्षेविसमिति में मुख्य लिपिक के पद पर कार्यभार ग्रहण किया । पक्षेविसमिति परिवार में हार्दिक स्वागत।
- सुश्री कांची गुप्ता ने पश्चिम क्षेत्रीय विद्युत समिति कार्यालय में दिनांक 23 फरवरी 2015 को सहायक निदेशक, श्रेणी-I का पद भार ग्रहण किया । पक्षेविसमिति परिवार में हार्दिक स्वागत।
- श्री रमेश प्रभुगांवकर की दिनांक 23.02.2015 को सहायक के पद पर पदोन्नति हुई । हार्दिक अभिनन्दन ।
- श्री रमेश प्रभुगांवकर, सहायक अधिवर्षिता की आयु प्राप्त करने पर दिनांक 31 मार्च 2015 को सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त हुए । पक्षेविसमिति परिवार की ओर से उनके स्वास्थ्य एवं सुखमय सेवानिवृत्त की शुभकामनाएँ ।

> हमें भूतकाल के बारे में पछतावा नहीं करना चाहिए, न ही भविष्य के बारे में चिंतित होना चाहिए । विवेकवान व्यक्ति हमेशा वर्तमान में जीते हैं ।
>
> -आचार्य चाणक्य

> आप अपना भविष्य नहीं बदल सकते पर आप अपनी आदतें बदल सकते हैं और निश्चित रूप से आपकी आदतें आपका भविष्य बदल देंगी ।
>
> -अब्दुल कलाम

संपादक मंडल : श्री सु. द. टाकसांडे, सदस्य सचिव श्रीमति तरूप्रभा शैल, सहा. निदे. (रा.भा.), श्री शिव कुमार हरिद्वाज, आशुलिपिक

## एन्ड्रॉइड (एक प्रचालन तंत्र)

लक्ष्मी कांत सिंह राठौर,
सहायक सचिव

एन्ड्रॉइड लिनक्स पर आधारित एक प्रचालन तंत्र जो मुख्यत: मोबाइल फोन और टैबलेट कम्प्यूटर जैसे टच स्क्रीन उपकरणों के लिए बनाया गया है । प्रारम्भ में एन्ड्रॉइड इंक द्वारा विकसित और बाद में गूगल द्वारा आर्थिक रूप से समर्पित और 2005 में खरीदे गये । एन्ड्रॉइड का अनावरण 2007 में ओपन एलायंस की स्थापना के साथ किया गया । सबसे पहला एन्ड्रॉइड फोन अक्तूबर 2008 में बेचा गया ।

एन्ड्रॉइड यूजर इंटरफेस पर आधारित है और स्वाइपिंग, टैपिंग जैसी क्रियाओं की मदद से उपयोगकर्ता स्क्रीन पर वस्तुओं का नियंत्रण कर सकता है । उपयोगकर्ता के हर कर्म पर उसे तुरंत प्रतिक्रिया मिलती है जो कि उसको अनुभवी तथा सहज बनाती है । एन्ड्रॉइड के होम स्क्रीन आम तौर पर अनुप्रयोग चिह्नों और विइजेट से भरे होते हैं ।

एन्ड्रॉइड की एक अपनी पहचान बन गई है । यह लोगों के लिए मुफ्त स्रोत लाइसैंस के अंतर्गत उपलब्ध है जिसके कारण इसकी उपयोगिता दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है ।

गूगल हर छ: से नौ महिनों में एन्ड्रॉइड के लिए महत्वपूर्ण सॉफ्टवेयर आपरेटिंग सिस्टम को अपडेट करता है । जो कि बुद्धिशील होते हैं और उपकरण एक साल में प्राप्त करने में सक्षम होते हैं । एन्ड्रॉइड का सबसे नवीनतम आपरेटिंग सिस्टम 5.0 लॉलीपाप है । इसे ड्राइड फ्लेयर के द्वारा भी अपने पुराने एन्ड्रॉइड को नए संस्करण में बदला जा सकता है ।

एन्ड्रॉइड जैसे ओपन प्लेटफार्म की रचना ओपन हैंड एलाइन्स नामक संगठन द्वारा की गई है । गूगल यद्यपि इसका सर्वेसर्वा है फिर भी कुल 84 संगठन इसके सदस्य हैं और इन सबने एन्ड्रॉइड प्लेटफार्म को विकसित करने में अपना विशेष योगदान किया है । इसमें सदस्य विभिन्न मोबाइल आपरेटर कम्पनियाँ सेमी कंडक्टर कम्पनियाँ तथा कुछ हैंडसेट निर्माता कम्पनियाँ शामिल हैं ।

एन्ड्रॉइड इन कार्पोरेशन की स्थापना यू.एस.ए. में 2003 में की गयी थी जिसका मुख्य उद्देश्य यह था कि

''एक ऐसा चतुर (Inteligent) मोबाइल उपकरण जो अपने प्रयोगकर्ता की प्राथमिकताओं को तथा उसके ठिकानों को पहचाने ।''

बाद में गूगल ने इसे अधिग्रहण किया जिसके द्वारा लाइनेक्स कर्नेल पर आधारित मोबाइल उपकरण प्लेटफार्म को विकसित किया गया । इसमें अपग्रेड करने की सुविधा है ।

एन्ड्रॉइड सॉफ्टवेयर के पाँच भाग / अवयव हैं जिसके आधार पर पूरा एन्ड्रॉइड प्लेटफॉर्म कार्य करता है । यह किसी अन्य कम्प्यूटर आपरेटिंग सिस्टम के अनुरूप है, जो आवश्यकतानुसार अन्य पर्तों के साथ जुड़कर प्रक्रिया में भाग लेता है । वस्तुत: मोबाइल जैसे सीमित मेमोरी वाले उपकरणों का संतोषजनक उपयोग करने के लिए इसे विकसित किया गया है ।

एन्ड्रॉइड पर चलने वाले उपकरणों का उपयोग दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है । इन्हें गूगल प्ले या अमेजन ऍप्स्टोर के माध्यम से या किसी तीसरी साइट से एपीके (APK) फाइल डाउन लोड करके प्राप्त किया जा सकता है । एप्लीकेशन एन्ड्रॉइड सॉफ्टवेयर विकास किट (ADK) की मदद से जावा प्रोग्रामिंग भाषा में विकसित किये जाते हैं ।

एन्ड्रॉइड प्रणाली के आने के बाद वाट्सएप जैसे यूज़र फ्रेंडली संचार प्रणाली ने आज के सामाजिक परिवेश में क्रांति ला दिया है ।

*********

### सही सोच

एक प्यारी-सी नन्ही-सी बच्ची अपने हाथों में दो सेब लेकर बैठी थी । इतने में बच्ची की माँ वहाँ आयी और उसने प्यार से मुस्कुराते हुए बच्ची से कहा, ''अपनी मम्मी को एक सेब दोगी ?'' बच्ची ने पलकें उठाकर अपनी माँ की ओर एक पल देखा और जल्दी से दोनों सेब का एक-एक टुकड़ा चबाया । माँ के चेहरे की मुस्कान मुरझा गयी । वह सोचने लगी क्या मेरी नन्ही-सी बच्ची इतनी स्वार्थी है ? क्या उसे मुझसे लगाव नहीं है ? बड़ी मुश्किल से वह अपने चेहरे पर निराशा के भाव आने से रोक रही थी । इतने में बच्ची दौड़कर माँ के पास आयी और एक सेब उसकी ओर बढ़ाते हुए बोली ''लो मम्मी यह तुम्हारे लिए, इन दो सेब में से यह ज्यादा मीठा है ।'' माँ की आँखें भर आयी ।

सीख- आप चाहे कितने भी अनुभवी हों, ज्ञानी हों सामने वाले के बारे में अपना निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें, उसे अपनी बात रखने का समय दें ।

संग्रहकर्ता- श्रीमती तरूप्रभा शैल
हिन्दी अनुवादक